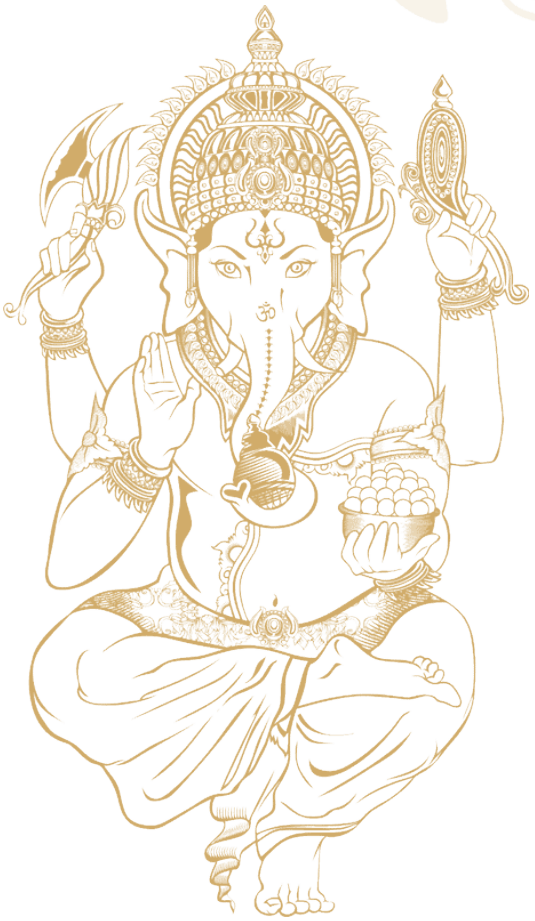

P

P

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121594102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/01/1983	जन्म तिथि	05/02/1993
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:22:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 00:29:45	जन्म समय(घटी)	06:37:52 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Modinagar
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:05	सूर्योदय	07:05:51
17:54:40	सूर्यास्त	18:00:54
23:36:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:57

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 6मा 27दि		17:19:31	मक	लग्न	मीन	15:56:08	गुरु 7वर्ष 3मा 13दि	
शुक्र		14:57:56	मक	सूर्य	मक	22:36:44	बुध	
27/08/2006		16:59:57	कर्क	चंद्र	मिथु	27:15:41	21/05/2019	
27/08/2026		15:25:38	कुंभ	मंगल व	मिथु	15:34:16	20/05/2036	
शुक्र	26/12/2009	23:00:32	धनु	बुध	कुंभ	01:46:32	बुध	17/10/2021
सूर्य	27/12/2010	12:30:18	वृश्चि	गुरु व	कन्या	20:50:52	केतु	14/10/2022
चन्द्र	26/08/2012	05:34:13	कुंभ	शुक्र	मीन	08:33:58	शुक्र	14/08/2025
मंगल	27/10/2013	10:38:18	तुला	शनि	मक	26:37:25	सूर्य	20/06/2026
राहु	26/10/2016	10:16:18	मिथु व	राहु व	वृश्चि	26:15:50	चन्द्र	20/11/2027
गुरु	27/06/2019	10:16:18	धनु व	केतु व	वृष	26:15:50	मंगल	16/11/2028
शनि	27/08/2022	14:37:35	वृश्चि	हर्ष	धनु	25:57:07	राहु	05/06/2031
बुध	27/06/2025	04:35:46	धनु	नेप	धनु	25:53:41	गुरु	10/09/2033
केतु	27/08/2026	05:54:37	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:37:12	शनि	20/05/2036

लग्न-चलित

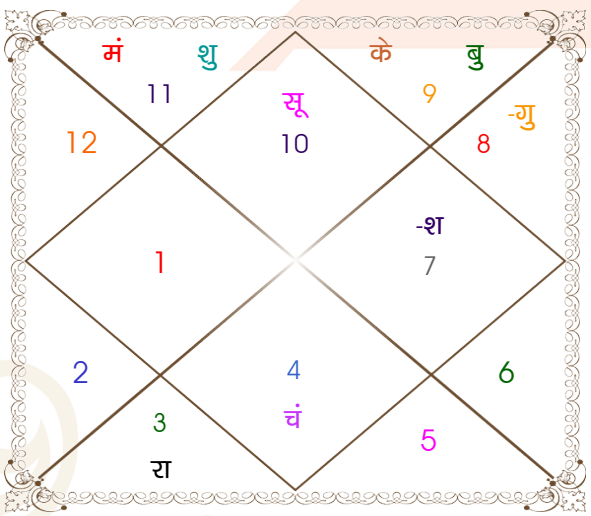

लग्न-चलित

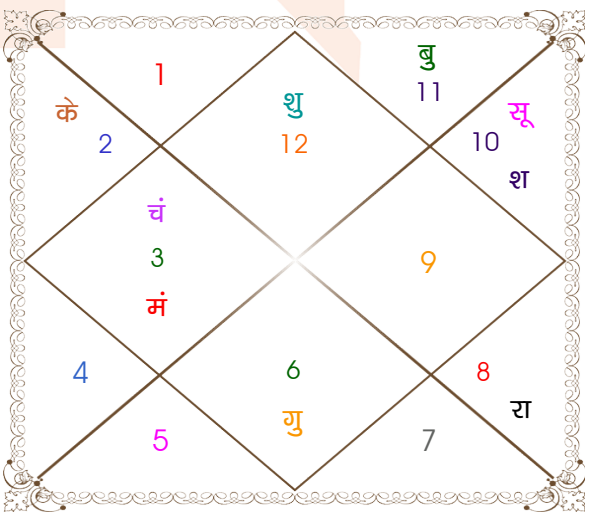

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च का वर्ग श्वान है तथा च का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च और च का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र च कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च तथा च में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।